होली हंस

➢➢ होली हंस

➳ _ ➳ समर्थ स्थिति

→ व्यर्थ को भगाने का पुरुषार्थ मत करो, समर्थ का आह्वान करो... व्यर्थ स्वतः ही चला जाएगा

→ दुख को दूर करने का पुरुषार्थ मत करो... सुख का आह्वान करो... दुःख स्वतः ही चला जाएगा

→ क्रोध को दूर करने का पुरुषार्थ मत करो... शांति का आह्वान करो... क्रोध स्वतः ही चला जाएगा

→ अन्धकार को दूर करने का पुरुषार्थ मत करो... प्रकाश का आह्वान करो... अन्धकार स्वतः ही चला जाएगा

➳ _ ➳ मन बुधी को सदैव बिजी रखना

→ जैसे ही बुधी फ्री हुई, तुरंत व्यर्थ आएगा

→ कोई भी vaccum कभी खाली नहीं रहता

→ जो बिजी रहते है, वो सदैव इजी रहते हैं , वह सदैव सेफ रहते है

➳ _ ➳ परचिन्तन

→ **परचिन्तन पतन की जड़ है**

→ परचिन्तन का जन्म **क्यों** से होता है... एक क्यों से 100 क्यों का जन्म है है

→ स्वयं से पूछें की हम ज्ञान में स्वयं को बदलने आये थे ? या दूसरों को बदलने आये थे ?

➳ _ ➳ सदैव एक स्टूडेंट की तरह पढाई में बिजी रहो

→ पढाई का जूनून होना चाहिए... जैसे बचपन में स्कूल की लोकिक पढाई में बिजी रहते थे

→ रोजाना मुरली के होमवर्क में सदैव बिजी रखो

→ मैं गोताखोर मुझे गहरे जाना होगा